ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 24 जून 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 114

NEET पेपर लीक मामले में अब तक 25 गिरफ्तारियां : ममता बनर्जी ने PM मोदी को चिट्ठी लिखी, कहा-सेंटलाइज्ड एग्जाम खत्म होना चाहिए

24 न्यूज अपडेट

NEET परीक्षा के पेपर लीक की जांच में अब तक देश के अलग-अलग राज्यों से 25 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। बिहार से 13, झारखंड से 5, गुजरात के गोधरा से 5 और महाराष्ट्र के लातूर से 2 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

नांदेड़ ATS ने लातूर के 2 टीचर संजय तुकाराम जाधव और जलील खान उमर खान पठान, नांदेड़ के इरन्ना मशनाजी कोंगलवाव और दिल्ली के गंगाधर के खिलाफ पब्लिक एग्जाम एक्ट 2024 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने जाधव और पठान को रविवार देर रात गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य दो आरोपी फरार हैं।

CBI की टीम आज बिहार और गुजरात पहुंची

मामले की जांच केंद्र सरकार ने CBI को सौंपी है। CBI की टीमें आज 24 जून को बिहार और गुजरात पहुंची है। बिहार EOU ने अपनी जांच

रिपोर्ट CBI को सौंप दी है। पटना में पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया की गिरफ्तारी के लिए EOD की 6 टीमें अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर रही है।

मामले की जांच केंद्र सरकार ने CBI को सौंपी है। CBI की टीमें आज 24 जून को बिहार और गुजरात पहुंची है। बिहार EOU ने अपनी जांच रिपोर्ट CBI को सौंप दी है। पटना में पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया की गिरफ्तारी के लिए EOD की 6 टीमें अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर रही है।

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी

वहीं NEET मामले पर अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने PM से कहा है कि सेंट्रलाइज्ड परीक्षा का सिस्टम खत्म हो और पहले की तरह डीसेंट्रलाइज्ड हो। यानी राज्य और केंद्र अलग-अलग परीक्षाएं आयोजित करें।

केजरीवाल की जमानत पर कल फैसला सुनाएगा दिल्ली हाईकोर्ट:बेल देने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाई थी; इसके बाद सुनवाई करेगा SC

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली.दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से मिली जमानत बरकरार रहती है या नहीं, इस पर दिल्ली हाईकोर्ट कल यानी 25 जून को दोपहर 2:30 बजे फैसला सुनाएगा। राउज एवेन्यू कोर्ट ने 20 जून को केजरीवाल को बेल दी थी, लेकिन ED की याचिका पर हाईकोर्ट ने 21 जून को राउज एवेन्यू कोर्ट के आदेश पर स्टे लगा दिया था।

21 जून को हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा था कि हम 24-25 जून तक फैसला सुनाएंगे। तब तक जमानत पर रोक रहेगी। हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

वहीं ED ने सोमवार को हाईकोर्ट में जवाब दाखिल कर केजरीवाल को लोअर कोर्ट से जमानत दिए जाने को गैरकानूनी बताया। एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट की वेकेशन बेंच के सामने जो भी जरूरी दस्तावेज रखे गए थे, बेंच ने उन पर ध्यान देना जरूरी नहीं समझा। ED ने कहा कि इन दस्तावेजों में सबूत थे कि अरविंद केजरीवाल मनी लॉन्ड्रिंग केस में गर्दन तक डूबे हैं। दिल्ली शराब घोटाले से जो काला धन जमा हुआ था, उसमें आम आदमी पार्टी की बड़ी हिस्सेदारी थी। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत अरविंद केजरीवाल की भूमिका को नजरअंदाज करके वेकेशन बेंच ने गंभीर भूल की है। सुप्रीम कोर्ट बोला- हाईकोर्ट के आदेश के बाद ही फैसला देना सही उधर इन सभी डेवलपमेंट से पहले आज सुप्रीम कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस मिश्रा ने कहा कि हाईकोर्ट की तरफ से फैसला सुरक्षित रखना असमान्य बात है। आमतौर पर स्टे की याचिका में फैसला उसी समय सुनाया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट ने अभी फैसला नहीं सुनाया है, इसलिए उसके पहले कोई आदेश देना सही नहीं होगा। थोड़ा इंतजार करना चाहिए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने 26 जून तक के लिए सुनवाई टाल दी।

सोनाक्षी सिन्हा- जहीर की शादी के खिलाफ पटना में विरोध:हिंदू शिवभवानी सेना ने विरोधी पोस्टर में लिखा- बिहार में घुसने नहीं देंगे, शत्रुघ्न फैसले पर पुर्नविचार करें

24 न्यूज अपडेट

सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून को लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से शादी कर ली है। शुरुआत में उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा इस शादी के खिलाफ थे, हालांकि बाद में वो सोनाक्षी के फैसले पर राजी हो गए। अब कपल की शादी नए विवाद में घिरती नजर आ रही है। हाल ही में बिहार की हिंदू शिवभवानी सेना के कार्यकर्ता ने शादी को लव जिहाद से जोड़ते हुए धमकी दी है कि अगर शत्रुघ्न सिन्हा बेटी की शादी पर दोबारा विचार नहीं करते तो सोनाक्षी को बिहार में नहीं घुसने दिया जाएगा।

हाल ही में हिंदू शिवभवानी सेना के सदस्य लव कुमार सिंह उर्फ रूद्र ने एक पोस्टर छपवाया है, जिसमें उन्होंने धमकी दी है कि वो सोनाक्षी सिन्हा को बिहार में घुसने नहीं देंगे। साथ ही उन्होंने सोनाक्षी-जहीर की शादी को लव जिहाद से जोड़ा है।

पोस्टर में लिखा गया है, सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी लव जिहाद को बढ़ावा। पूरे देश का इस्लामीकरण करने की कोशिश। शत्रुघ्न सिन्हा जी शादी के फैसले पर पुनर्विचार करें, नहीं तो अपने बेटों लव, कुश और अपने घर रामायणा का नाम तुरंत बदल लें। इससे हिंदू धर्म का अपमान हो रहा है।

सोनाक्षी ने नहीं किया धर्म परिवर्तन

बताते चलें कि सोनाक्षी और जहीर की शादी की खबरों के साथ ही ये खबरें भी रहीं कि एक्ट्रेस शादी के लिए इस्लाम कबूल कर रही हैं। हालांकि जहीर इकबाल के पिता इकबाल रत्नासी ने इन खबरों को अफवाह बताया है। उन्होंने फ्री प्रेस जरनल को दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि सोनाक्षी शादी के बाद अपना धर्म नहीं बदलेंगी।

बताते चलें कि सोनाक्षी ने 23 जून को अपने बांद्रा स्थित अपार्टमेंट में जहीर इकबाल से सिविल मैरिज की है। इसके बाद कपल ने मुंबई के दादर में स्थित बैस्टियन रेस्टोरेंट में रिसेप्शन रखा था। शादी की डेट 23 जून इसलिए रखी गई थी, क्योंकि 7 साल पहले दोनों को प्यार हुआ था। इसका खुलासा सोनाक्षी ने शादी की तस्वीरें शेयर कर किया है।

संसद सत्र का पहला दिन, मोदी की विपक्ष को नसीहत

पीएम शपथ लेने पहुंचे तो राहुल ने संविधान की कॉपी दिखाई, फिर नमस्ते किया

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली.हरियाणा में नौकरियों में 5 नंबर का बोनस असंवैधानिक करार:राज्य सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने पलटा; 23 हजार नियुक्तियां फंसी

चंडीगढ़. हरियाणा में सरकारी भर्ती परीक्षा में सामाजिक-आर्थिक आधार पिछड़े उम्मीदवारों को 5 बोनस अंक दिए जाने के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सोमवार को दिए फैसले में कोर्ट ने कहा- यह असंवैधानिक है।

हरियाणा की खट्टर सरकार ने नौकरियों में सामाजिक व आर्थिक आधार पर पिछड़े आवेदकों को 5 बोनस अंक देने का फैसला किया था। फैसला 5 मई, 2022 से लागू किया था। इसके तहत जिस परिवार में कोई भी सदस्य सरकारी नौकरी में न हो और परिवार की आमदनी सालाना 1.80 लाख रुपए से कम हो, ऐसे परिवार के आवेदक को 5 अतिरिक्त अंक का लाभ मिलता है।

हरियाणा सरकार ने कर्मचारी चयन आयोग के कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (CET) में 1.80 लाख सालाना इनकम वाले परिवारों को बोनस अंक का लाभ दिया था। राज्य के परिवार पहचान पत्र (PPP) वाले युवाओं को ही यह फायदा मिला।

इसे अन्य अभ्यर्थियों ने कोर्ट में चुनौती दी। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट की डबल बेंच ने 31 मई 2024 को बोनस अंक देने के फैसले को खारिज किया था। हाईकोर्ट ने कहा था- यह एक प्रकार से आरक्षण देने जैसा है। जब आर्थिक पिछड़ा वर्ग के तहत राज्य सरकार ने पहले ही आरक्षण का लाभ दिया है तो यह आर्टिफिशियल श्रेणी क्यों बनाई जा रही है।

हाईकोर्ट के इसी फैसले के खिलाफ हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी। सरकार ने एग्जाम करवाने वाले हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (HSSC) के जरिए सुप्रीम कोर्ट में 4 पिटीशन दायर की थी।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से साल 2023 में निकाली गई ग्रुप C और D में नियुक्ति पा चुके 23 हजार युवाओं को दोबारा एग्जाम देना पड़ेगा। अगर वे पास नहीं हो पाए तो नौकरी से बर्खास्त हो जाएंगे। इन्हें भर्ती वाले साल में ही नियुक्ति भी दे दी गई थी।

जेपी नड्डा राज्यसभा में सदन के नेता बनाए

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू हो गया है। सबसे पहले सदन में राष्ट्रगान हुआ, उसके बाद पिछले सदन के दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद पीएम मोदी ने लोकसभा सदस्य की शपथ ली। मोदी के बाद उनकी कैबिनेट के लोकसभा सांसदों ने शपथ ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नाम जब शपथ के लिए बुलाया गया तो विपक्ष ने NEET-NEET, शेम-शेम बोलना शुरू कर दिया। विपक्ष NEET पेपर धांधली में उनके इस्तीफे की भी मांग कर चुका है।

सत्र शुरू होने से पहले संसद पहुंचे PM मोदी ने कहा- देश चलाने के लिए सबकी सहमति जरूरी है। हम सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। संविधान की मर्यादाओं का पालन करते हुए देश को आगे बढ़ाना चाहते हैं। देश को एक जिम्मदार विपक्ष की जरूरत है। संसद में आज और कल नए सांसद शपथ लेंगे। इससे पहले भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब को सोमवार सुबह 10 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रोटेम स्पीकर की शपथ दिलाई। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू राष्ट्रपति भवन में मौजूद थे।

उधर, राज्यसभा में भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को पीयूष गोयल की जगह नेता सदन बनाया गया है। नड्डा गुजरात से राज्यसभा के सांसद हैं। उधर, राज्यसभा में भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को पीयूष गोयल की जगह नेता सदन बनाया गया है। नड्डा गुजरात से राज्यसभा के सांसद हैं।

संपादकीय : कानून का घेरा

पि छले कुछ दिनों से राष्ट्रीय स्तर पर कुछ महत्त्वपूर्ण परीक्षाओं में धांधली, प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने के मसले पर जिस तरह का रोष देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक है। ऐसे हर विवाद के बाद सरकार का यहाँ आश्वासन सामने आता रहा है कि वह मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। मगर वर्षों से यह समस्या बदस्तूर कायम है। अब शुक्रवार केंद्र सरकार ने जिस कानून को लागू किया है, उसका उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और कदाचार पर रोक लगाना है। दरअसल, करीव चार महीने पहले लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक, 2024 को मंजूरी मिली थी और अब इसे कानून की शक्ल में लागू किया गया है। इसके प्रावधानों को बेहद सख्त माना जा रहा है और उम्मीद की जा रही है कि अब अलग-अलग स्तर की परीक्षाओं में धांधली पर लगाम लगेगी। हाल में नीट और यूजीसी नेट की परीक्षाओं में प्रश्न-पत्रों के बाहर आ जाने और अन्य गड़बड़ियों से उपजे विवाद के बीच इस कानून को लागू करने के कदम को महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। गौरतलब है कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे, बैंकिंग भर्ती परीक्षाओं और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) आदि द्वारा आयोजित परीक्षाओं में अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकना है। यों परीक्षा में नकल या प्रश्न पत्रों को समय से पहले ही वाहर निकालना पहले भी गैरकानूनी रहा है, मगर इस कानून के पहले कोई धांधली किए जाने या अपराध होने की स्थिति में उससे निपटने के लिए कोई विशिष्ट कानून नहीं था। अब अगर नकल कराने जैसी अवैध हरकत के आरोप में कोई पकड़ा जाता है, दोषसिद्धि की स्थिति में उसे न्यूनतम तीन से पांच वर्ष तक के कारावास और ऐसे संगठित अपराध में शामिल लोगों को पांच से दस वर्ष तक की जेल की सजा दी जाएगी। इसमें न्यूनतम एक करोड़ रुपए जुर्माने का भी प्रावधान है। हालांकि इस कानून के तहत प्रतिस्पधी परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। यह जगजाहिर हकीकत रही है कि अपराधों पर रोक लगाने के लिए कानून बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी अहमियत कई बार दस्तावेजों में सीमित रहती है। उसे वास्तव में लागू करने को लेकर मजबूत इच्छाशक्ति नहीं दिखती है। जबकि सख्ती से अमल को सुनिश्चित किए बिना कोई भी कानून बेमानी रहेगा। सरकार और संबंधित महकमों को इस बात पर मंथन करना चाहिए कि नकल का रोग पहले भी गैरकानूनी रहा है, मगर उस पर नकेल कसने के प्रति उदासीनता के क्या कारण रहे? आखिर किन वजहों से स्कूल-कालेज स्तर की परीक्षाओं में नकल की बीमारी नौकरियों और चिकित्सा या इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षाओं तक में फैल गई? जबकि पिछले कुछ वर्षों में संवेदनशील परीक्षाओं में आधुनिक और उन्नत तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल बड़ा है, साइबर क्षेत्र में नित नए प्रयोगों के जरिए भी बहुस्तरीय निगरानी का तंत्र भी मजबूत बनाया गया है। इसके बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर बेहद अहम मानी जाने वाली परीक्षाओं में नकल या प्रश्न-पत्रों के बाहर आने जैसी धांधली को रोकने में सरकार नाकाम रही। अब नया कानून तभी सार्थक साबित ही सकेगा, जब इसे लागू करने को लेकर वास्तव में इच्छाशक्ति दिखाई जाए, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अहम परीक्षाओं में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

सूखते जलाशय

शहरी नियोजन की चपेट में आकर बहुत सारे प्राकृतिक जलाशय पहले ही अपना अस्तित्व खो चुके हैं, अब बचेखुचे संरक्षित जलाशयों पर जलवायु परिवर्तन श का प्रकोप पड़ना शुरू हो चुका है। केंद्रीय जल आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश के डेढ़ सौ प्रमुख जलाशयों का स्तर घट कर महज इक्कीस फीसद रह गया है। भीषण गर्मी का असर सबसे अधिक दक्षिण भारत के जलाशयों पर देखा गया है, जहां बयालीस जलाशय हैं और उनमें जल की मात्रा घट कर सोलह फीसद तक रह गई है। हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और पंजाब के दस जलाशयों में उनकी कुल क्षमता का अट्ठाईस फीसद जल रह गया है। यही हाल पूर्वोत्तर के तेईस जलाशयों का है, जिनमें उनकी कुल भंडारण क्षमता का करीब बीस फीसद पानी रह गया है। इसे लेकर जल आयोग की चिंता स्वाभाविक है। पहले ही बरसात कम होने की वजह से इन जलाशयों का पुनर्भरण संतोषजनक स्तर तक नहीं पहुंच पाया था, फिर पहाड़ों पर बर्फ कम गिरने के कारण पहाड़ी इलाकों के जलाशयों में पानी का स्तर लगातार घट रहा है। प्राकृतिक जलाशय अनेक शहरों के लिए पेयजल उपलब्ध कराने का प्रमुख स्रोत हैं। मगर समुचित रखरखाव और उनके जलस्रोतों का संरक्षण न हो पाने की वजह से उनमें बरसात का पानी भी समुचित रूप में नहीं पहुंच पाता। जलाशयों में बरसात का पानी ऊंचे इलाकों से पहुंचता है, मगर जब वहां बस्तियां बस जाती हैं, तो उनका जलस्रोत बाधित होता है। बहुत सारे जलाशयों का जल स्तर इसलिए भी घट रहा है। दूसरी सबसे बड़ी वजह पिछले कुछ वर्षों से तापमान में लगातार वृद्धि और बरसात का असंतुलित होना भी है। गर्मी की अवधि लंबी होने से पेयजल और दूसरे उपयोग के लिए पानी की खपत बढ़ रही है। ऐसे में जलाशयों का स्तर घटते जाने से उन पर निर्भर शहरों और बस्तियों में जलसंकट बढ़ने की आशंका गहराने लगी है। लंबे समय से सलाह दी जाती रही है कि प्राकृतिक जलाशयों के रखरखाव और उनके जलस्रोतों को अबाध बनाए रखने की योजनाएं बनानी होंगी। बरसात का पानी उन तक पहुंचता रहे और उनमें गाद वगैरह की सफाई होती रहे, तभी उनके पुनर्भरण की संभावना बनेगी।

कृपाण पहन कर आई युवती नहीं दे पाई एग्जाम

SGPC ने विरोध जताया, कहा- यह संविधान का उल्लंघन; पिता बोले- कानूनी लड़ाई लड़ेंगे

24 न्यूज अपडेट

जोधपुर. RPSC की तरफ से रविवार को आयोजित न्यायिक परीक्षा (RJS) के दौरान जोधपुर सेंटर पर सिख युवती से कृपाण और प्रतीक उतरवाने का मामला गरमा गया है। एग्जाम सेंटर पर युवती से कृपाण साथ न ले जाने के लिए कहा गया था। जब उसने मना किया तो उसे एग्जाम नहीं देने दिया। इस मामले को लेकर युवती के पिता ने कानूनी लड़ाई लड़ने की बात कही है। वहीं अमृतसर के शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने इसका विरोध जताते हुए कहा- यह देश के संविधान का बड़ा उल्लंघन है। जालंधर निवासी गुरसिख युवती एडवोकेट अरमानजोत कौर को कृपाण पहनकर परीक्षा केंद्र में जाने से रोका गया था। युवती के पिता बलजीत सिंह ने शिरोमणि कमेटी को बताया कि उनकी बेटी राजस्थान न्यायिक सेवा के लिए प्रतियोगी परीक्षा देने के लिए जोधपुर गई थी। जोधपुर के शिकारगढ़ स्थित पीएलवी कॉलेज में परीक्षा का केंद्र था। जहां अधिकारियों ने उसे सेंटर में प्रवेश करने के लिए कृपाण उतारने के लिए कहा। बेटी ने इस पर आपत्ति जताई और कृपाण नहीं हटाई, इसलिए वह परीक्षा देने से वंचित रह गई। बलजीत सिंह ने यह भी बताया कि इस मामले में राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर में भी याचिका दायर की गई

है और न्याय के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी। बलजीत सिंह ने कहा कि उनकी बेटी को न्याय मिलना चाहिए ताकि भविष्य में किसी और के साथ ऐसा भेदभाव न हो। वकील अरमानजोत कौर वर्तमान में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में प्रैक्टिस कर रही है।

SGPC के अध्यक्ष बोले- भविष्य दांव पर लग गया

अमृतसर के शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने इसे देश के संविधान का बड़ा उल्लंघन बताया है। उन्होंने कहा- अरमानजोत कौर को कृपाण सहित न्यायिक परीक्षा से रोकने वाले परीक्षा केंद्र के अधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। इन लोगों की इस मनमानी कार्रवाई से एक लड़की का भविष्य दांव पर लग गया है। एडवोकेट धामी ने कहा कि भारत के संविधान के अनुसार सिखों को कृपाण धारण करने का पूरा अधिकार है और सिख मर्यादा के अनुसार कोई भी अमृतधारी सिख पांच सिख ककारों को अपने शरीर से अलग नहीं कर सकता है।

विद्यापीठ -एकेडमिक काउंसिल व रिसर्च बोर्ड की बैठक सम्पन्न

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर 24 जून । जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय की एकेडमिक काउंसिल एवं रिसर्च बोर्ड की बैठक सोमवार को प्रतापनगर स्थित कुलपति सचिवालय के सभागार में कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में नयी शिक्षा नीति के अनुसार बनाये गये नये पाठ्यक्रमों को स्वीकृति दी गई। स्वयम पोर्टल के पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने, अन्य मूक्स, साइबर सिक्योरिटी के पाठ्यक्रमों को संचालित करने पर विस्तार से चर्चा कर निर्णय लिए गए। संस्थान के सभी विभागों द्वारा आउटकम बेस्ड एजुकेशन के तहत कोर्स मैपिंग्स व मेंटर-मेंटी सिस्टम का पुनरावलोकन करने पर चर्चा की गई व उनमें आई कठिनाईयों का समाधान बताया गया। बैठक में नए पाठ्यक्रम संचालित करने, कमजोर विद्यार्थियों पर उचित ध्यान, गुणवत्तापूर्ण शोध, अंतर्विषयक शोध को लागू करने पर जोर दिया। कैंटीन व मेस हेतु खाद्य सुरक्षा का अप्रूवल लेने, बेसिक लाइफ सपोर्ट के प्रशिक्षण, एकेडमिक कैलंडर पर भी चर्चा हुई। यूजीसी नियमानुसार वर्ष में दो बार प्रवेश, नवीन सत्र में दीक्षारम्भ, परीक्षा समाप्ति के दस दिवसों में परीक्षा परिणाम की घोषणा, फीस रिफंड पालिसी के नवीनीकरण पर भी निर्णय लिए गए। विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट के डवलपमेंट का कार्य भी चल रहा है, जिस हेतु सभी विभागाध्यक्षों को डेटा प्रदान करने के निर्देश दिए गए। फिजिक्स, कंप्यूटर विज्ञान, फार्मेसी, केमिस्ट्री व बोटनी में अत्याधुनिक लैब निर्माण हेतु भी निर्णय लिए गए। प्रत्येक विभाग को कम से कम 10 कार्यरत एमओयू करवाने के निर्देश प्रदान किये गए। बैठक में रजिस्ट्रार डॉ. तरूण श्रीमाली, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पारस जैन, प्रो. सरोज गर्ग, प्रो. जीवन सिंह खरकवाल, डॉ. शैलेन्द्र मेहता, प्रो. मंजु मांडोत, डॉ. अमिया गोस्वामी, डॉ. अमी राठौड़, डॉ. हेमेन्द्र चौधरी, डॉ. भवानीपाल सिंह राठौड़, डॉ. सुनील चौधरी, डॉ. शिल्पा कठांलिया, डॉ. मनीष श्रीमाली, डॉ. अवनिश नागर, डॉ. लालाराम जाट, डॉ. भारत सिंह देवड़ा, प्रो. एसएस चौधरी, डॉ. सपना श्रीमाली, डॉ. कुल शेखर व्यास, डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव, डॉ. निवेदिता, डॉ. अजिताराणी, डॉ. भूरालाल श्रीमाली, डॉ. संतोष लाम्बा, डॉ. शाहिद कुरैशी, डॉ. हेमंत साहू, डॉ. चंद्रेश छतलानी, सहित विद्यापीठ के डीन, डायरेक्टर, विभागाध्यक्षों ने भाग लिया।

बांसवाडा में गायब हो रही भेड़, चोर गिरोह सक्रिय:खरीदने वाले को पुलिस ने पकड़ा

24 न्यूज अपडेट

बांसवाडा. बांसवाड़ा में कई स्थानों पर भेड़ चोरी कर उन्हें कत्लखानों में बेचने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इसका खुलासा करते हुए भेड़ों के खरीदार को गिरफ्तार किया है। सदर थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया- जिले के अलग अलग हिस्सों से भेड़ चोरी की रिपोर्ट मिल रही थी। इसमें मुखबिर के जरिए सूचना पर खांदू कॉलोनी में एक व्यक्ति के पास भेड़ पहुंचने की जानकारी मिली।

पूछताछ में आरोपी मोहम्मद खालिद पुत्र जाकिर ने बताया कि उसने यह भेड़ खरीदी हैं। इस पर चोरी की भेड़ खरीदने के आरोप में उसे गिरफ्तार कर लिया और मौके से 10 भेड़ जब्त की।

पिकअप लेकर निकलते थे चोर

थानाधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला है कि चोरों में कोई भी बांसवाड़ा का नहीं है। इसमें कोटा, सांगोली और रावतभाटा के चोर शामिल हैं। चोरी करने के सवाल पर उन्होंने बताया कि यह लोग अपने क्षेत्र से पिकअप लेकर निकलते थे। जहां भी मौका लगता, एक साथ 20-30 भेड़ चुरा लेते। इसके बाद स्थानीय खरीदार का पता कर बेच देते थे। एक बार में यह 3 से 4 लाख की भेड़ चुराते थे। खरीदार इनको कत्लखाने वालों को बेच देता था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम लगा दी गई हैं।

डूंगरपुर के युवक से की थी 16 लाख से अधिक की ऑनलाइन ठगी करने वाले गैंग के 2 और आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट.डूंगरपुर। साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन ठगी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग के 2 और शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन्होंने डूंगरपुर निवासी एक युवक से टेलीग्राम मैसेंजर ऐप से टिकिट बुकिंग टास्क पूरा करने पर बड़ा मुनाफा कमाने के नाम पर उससे 16 लाख 85 हजार 713 रुपए की ठगी की वारदात की थी। दो आरोपियों को पहले गिरफ्तार हो चुके हैं व अन्य की तलाश है। साइबर थानाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया- माल निवासी विशाल पुत्र गजानंद मेहता ने मामला दर्ज कराया कि 21 मार्च को उसके टेलीग्राम मैसेंजर ऐप से टिकिट बुकिंग का टास्क पूरा करने पर बड़ा मुनाफा कमाने के नाम पर ठगी की। ठग ने 16 लाख 85 हजार 713 रुपए की ऑनलाइन ठगी की गई थी। साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की। पुलिस ने बदमाशों के फ्रॉड से जुड़े बैंक डिटेल खंगाले, जिससे बदमाशों की कड़िया जुड़ती है और कई नई जानकारियां मिली। साइबर पुलिस ने 15 जून को गुजरात के बड़ोदा निवासी खाताधारक मोहम्मद उमेर खान पठान पुत्र राशिद खान पठान को गिरफ्तार किया था। वहीं, जांच में सामने आया की विशाल से ठगी गई राशि में से 4 लाख की राशि अहमदाबाद निवासी केतन के खाते में गई थी उसे भी साइबर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। साइबर पुलिस की जांच में सामने आया की केतन ने अपना खाता कुनाल नाम के व्यक्ति को 50 हजार में बेचने और कुनाल द्वारा केतन का खाता अहमदाबाद निवासी हिम्मत सिंह को एक लाख में बेचा है। हिम्मतसिंह ने यही खाता आबुरोड सिरोही निवासी कुलदीप सिंह को 2 लाख में बेच दिया था। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी हिम्मत सिंह व कुलदीप सिंह को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया। अभी अहमदाबाद निवासी कुनाल, सिरोही निवासी अमित और बड़ोदा निवासी मुबीन फरार चल रहे हैं।

रात को भैंस को बारिश बचाने उठा युवक, बाड़े में जाते ही गिर गई बिजली, मौत

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट.चित्तौड़गढ़। बिजली गिरने से युवक की मौत हो गई। युवक बारिश के दौरान पशुओं को बांधने गया था। परिजन हॉस्पिटल ले जा रहे थे, रास्ते में ही दम तोड़ दिया।डूंगला उपखंड के सेठवाना गांव में रविवार रात को देर रात को बारिश शुरू हो गई। इस बीच सुरेश लाल (42) पुत्र चुन्नीलाल रावत की नींद खुल गई और वो रात 3.30 बजे अपनी भैंस को बारिश से बचाने के लिए चला गया। उसी दौरान अचानक बिजली गिर गई जिससे सुरेश बेहोश होकर गिर गया। घर वाले तुरंत सुरेश को हॉस्पिटल ले गए लेकिन तब तक सुरेश ने दम तोड़ दिया। सोमवार सुबह मौके पर पुलिस पहुंची और पंचनामा बनाकर शव का पोस्टमार्टम करवाया व शव परिजनों को सौंपा जिसका अंतिम संस्कार किया गया। सुरेश रावत की 2 बेटियां और 1 बेटा है।

जयपुर के SMS हॉस्पिटल में हाथ लेकर घूमता रहा कुत्ता मरीज अस्पताल में भर्ती; थ्रेसर से कट गया था, डस्टबिन में फेंका

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर में 22 जून को रात 1 बजे एक कुत्ता मुंह में इंसान का हाथ लेकर घूमता नजर आया। यह देख हॉस्पिटल में भर्ती मरीज और उनके परिजन चौंक गए। लोगों ने सिक्योरिटी गार्ड को इसकी सूचना दी। हॉस्पिटल से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। करीब 30 मिनट बाद पुलिस ने कुत्ते के मुंह से हाथ रिकवर कर लिया।

एसएमएस हॉस्पिटल थाना सीआई सुधीर

उपाध्याय ने बताया- रात को एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर में कुत्ते के मुंह में इंसान का हाथ होने की सूचना मिली। इसके बाद हाथ को रिकवर कर ट्रॉमा सेंटर इंचार्ज के पास पहुंचे। उन्होंने हाथ लेने से मना कर दिया। इस पर पुलिस ने 23 जून को सुबह 7:30 बजे हाथ को मॉर्च्युरी में रखवाया।

हाथ थानागाजी के युवक का निकला

पुलिस की जांच में सामने आया कि कटा हुआ हाथ थानागाजी के रहने वाले विक्रम का है। जो इस समय ट्रॉमा सेंटर के ऑर्थो मेल वार्ड में भर्ती है। 18 जून को थानागाजी में थ्रेसर से विक्रम का हाथ कोहनी के पास से कट गया था। इस पर परिजन उसे पहले निजी अस्पताल लेकर गए।

फिर एसएमएस ट्रॉमा सेंटर में लेकर आए। यहां डॉक्टर्स ने मेडिकल इश्यू बताते हुए कहा- अब हाथ नहीं लग सकता है। उन्होंने हाथ रिसीव नहीं किया। इसके बाद विक्रम के रिश्तेदार ने हाथ को डस्टबिन में डाल दिया था। डस्टबिन से हाथ कुत्ते तक कैसे पहुंचा, इसकी जांच हो रही है।

वार्ड पंचों को नहीं मिला लंबे समय से कोरम का भत्ता, 48 घंटे में समाधान नहीं तो तालाबंदी की चेतावनी

24 न्यूज अपडेट

सलूंबर जिले के जयसमंद पंचायत समिति अंतर्गत बगुरवा ग्राम पंचायत के वार्ड पंचों को कोरम का भत्ता नहीं मिलने से वार्ड पंचों ने विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में बताया कि ग्राम पंचायत बगुरवा में 5 वार्ड बने उसमें नए वार्ड पंच निर्वाचित हुए । पंचायत समय अनुसार उसमें कोरम आयोजित करती है , जिसमें सभी वार्ड पंच अपना समय निकालकर उसमें भाग लेते हैं । पंचायत द्वारा उनको दैनिक कोरम का भत्ता दिया जाता है । जो पंचायत गठित हुए 3 वर्ष 5 माह हुए हैं। लेकिन ग्राम पंचायत के दो महिला वार्ड पंच और तीन पुरुष वार्ड पंच है जिन्हें भत्ता नहीं मिला है । वार्ड पंचों ने बताया कि इस मामले को लेकर कई बार पंचायत सेक्रेटरी को अवगत कराया है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है । साथ ही वार्ड पंचों का कहना है कि 48 घंटे में समाधान नहीं होता है तो समस्त वार्ड पंच द्वारा अनिश्चित काल के लिए पंचायत कार्यालय की तालाबंदी की जाएगी । जिसका जिम्मेदार प्रशासन होगा । जब इस मामले को लेकर बगुरवा वर्तमान ग्राम विकास अधिकारी केशव लाल मीणा से बात की तो उनका कहना है कि मेरे को अभी पूर्व सचिव द्वारा मुझे संपूर्ण चार्ज सोपा है । अभी मेरे हाथ में कुछ नहीं है मैं पेमेंट कैसे करूं । वही जब इस विषय में पूर्व ग्राम विकास अधिकारी प्रभु लाल से संपर्क करना चाहा तो नहीं हो पाया ।

अयोध्या राम मंदिर पहली बारिश में टपकने लगा:मुख्य पुजारी बोले- जहां रामलला, वहां पानी भरा; इंतजाम नहीं हुए तो दर्शन बंद होंगे

24 न्यूज अपडेट

अयोध्या अयोध्या का राम मंदिर पहली ही बारिश में टपकने लगा। मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा- गर्भगृह में, जहां रामलला विराजमान हैं, वहां भी पानी भर गया। अगर एक-दो दिन में इंतजाम नहीं हुए, तो दर्शन और पूजन की व्यवस्था बंद करनी पड़ेगी।

उन्होंने बताया- शनिवार रात 2 से 5 बजे तक तेज बारिश हुई। इसके बाद मंदिर के गर्भगृह के सामने मंडप में 4 इंच तक पानी भर गया। मंदिर के अंदर लोगों को डर था कि कहीं बिजली का करंट न उतर आए। इसलिए सुबह 4 बजे होने वाली आरती टार्च की रोशनी में करनी पड़ी। सुबह 6 बजे की आरती भी ऐसे ही हुई।

छोटे मंदिरों में भी भरा पानी

आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा- गर्भगृह के अलावा भी जो छोटे मंदिर बने हैं, वहां भी पानी भर गया है। इस पर ध्यान देना चाहिए कि जो बना है, उसमें क्या कमी रह गई? एक तो राम मंदिर से बारिश का पानी निकलने की जगह नहीं है। ऊपर से पानी भी चूने लगा, इससे अव्यवस्था हुई।

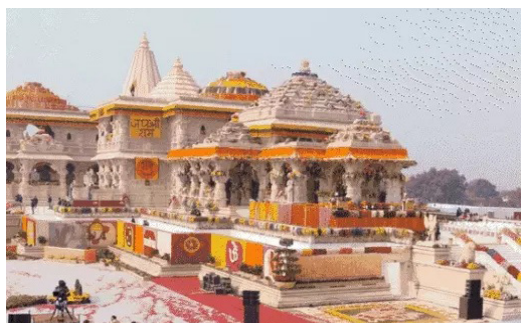

अयोध्या में शनिवार-रविवार की रात 67 MM बारिश हुई, जिससे पूरे शहर में जगह-जगह पानी भर गया। सड़कें धंस गईं। 6 महीने पहले बने अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की करीब 20 मीटर लंबी बाउंड्री वॉल भी ढह गई।

पहली मंजिल के निर्माण के चलते अंदर आया पानी

जलनिकासी ठीक नहीं होने के चलते यह दिक्कत हो रही हैं। पुजारी के मुताबिक, इसको जितनी जल्दी ठीक करवा लिया जाए, उतना अच्छा है। पानी को रात 10 बजे तक सुखाया जा सका। ये पानी क्यों भरा? इसके जवाब में उन्होंने बताया- पहली मंजिल पर निर्माण जारी है। वहां रॉड लगाने के लिए होल (छेद) छूटे हुए हैं। वहीं से मंदिर के अंदर पानी आया था। अयोध्या में शनिवार रात बारिश हुई। इससे अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की करीब 20 मीटर लंबी बाउंड्री वॉल ढह गई। 30 दिसंबर, 2023 को PM मोदी ने इस रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया था। इसके अलावा कई जगह पर सीवर लाइन धंस गई, जिससे कई घरों और मंदिरों में सीवर का पानी घुस गया।

इमामबाड़ा की रोड धंस गई, यहां सीवर चोक हो गया। बिरला धर्मशाला के सामने मंदिर में सीवर का गंदा पानी भर गया। कई अन्य क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई। लोगों ने कहा- पहली बारिश में ही नगर निगम और PWD की पोल खुल गई।

राजस्थान उगलेगा सोना, बांसवाड़ा में मिला 222.39 टन भंडार:भुखिया-जगपुरा स्वर्ण खदान की हुई नीलामी, रतलाम की फर्म को मिला लाईसेंस

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. राजस्थान की धरती सोना उगलेगी। राजस्थान सरकार ने बांसवाड़ा में स्वर्ण और अयस्क खनन के लिए भुखिया-जगपुरा खनन ब्लॉक की नीलामी की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसका लाइसेंस रतलाम की सैयद ओवैस अली फर्म को मिला है। जिसके चलते देश में कर्नाटक, आंध्रप्रदेश और झारखंड के बाद राजस्थान चौथा राज्य होगा। जहां सोने का खनन होगा।

रतलाम की फर्म को स्वर्ण खनन का लाइसेंस

खनिज अभियंता गौरव मीणा ने बताया कि बांसवाड़ा के घाटोल उपखंड में खदान के लिए दो ब्लॉक भूकिया - जगपुरा आवंटित किए गए थे। गत दिनों दोनों ब्लॉक के लिए तकनीकी बिड खुलने के बाद अब स्वर्ण खनन के लिए लाइसेंस दे दिया गया है। भुखिया-जगपुरा स्वर्ण ब्लॉक के माइनिंग लाइसेंस के लिए बड़ी कंपनियों के बीच

कड़ी स्पर्धा रही। इसमें रतलाम की कंपनी ने 65.30% की बोली लगाई और स्वर्ण खनन के लिए ब्लॉक अपने नाम किया।

कांकरिया गारा ब्लॉक का भी लाइसेंस जल्द

राजस्थान के बांसवाड़ा में स्वर्ण खनन के लिए आवंटित दो ब्लॉक में से भूखिया-जगपुरा के लिए लाइसेंस दे दिया गया है। जबकि दूसरे ब्लॉक कांकरिया गारा गोल्ड के कंपोजिट लाइसेंस के लिए 5 कंपनियां आई हैं। इसमें अहमदाबाद की हीराकुंड नेचुरल रिसोर्सेस लिमिटेड, मुंबई की पोद्दार डायमंड प्राइवेट लिमिटेड, रतलाम की ओवैस मेटल एंड मिनरल्स प्रोसेसिंग लिमिटेड, उदयपुर की हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और कानपुर की जेके सीमेंट लिमिटेड में प्रतिस्पर्धा हैं। सोने के भंडार, मिलेगा रोजगार भू-वैज्ञानिकों के मुताबिक इस क्षेत्र में 940.26 हैक्टेयर क्षेत्रफल में 113.52 मिलियन टन स्वर्ण अयस्क का आरंभिक आकलन किया गया है। जिसमें सोने के धातु की मात्रा 222.39 टन आंकी गई है। वहीं कांकरिया गारा में 205 हैक्टेयर में 1.24 मिलियन टन स्वर्ण अयस्क संभावित है। इन सोने की खदानों से सोने के साथ अन्य सह खनिज भी निकलेंगे। बांसवाड़ा जिले में स्वर्ण खनन से इलेक्ट्रॉनिक, पेट्रोलियम, पैट्रोकैमिकल्स, बैटरी, एयर बैग सहित कई उद्योगों में नए निवेश के साथ ही प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अप्रत्याशित अवसर विकसित होने की संभावना है।

जयपुर में महिला बैंक मैनेजर को बदमाशों ने किया डिजिटल वीडियो अरेस्ट, 17 लाख की एफडी तुड़वाई

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. जयपुर। यह संदेश सबके लिए हैं सतर्क रहिये, फोन कॉल या वीडियो कॉल आने पर बावले होकर झांसे में मत आइये। सामने वाला खुद को सीबीआई, सीआईडी, पुलिस का अधिकारी बता कर धमकाए तो झांसे में ना आए। कोई परिजनों के गिरफ्तार होने की बात कहें तो यकीन मत कीजिए, धैर्य रख कर क्रॉसचेक कर लीजिए। दूसरों को कभी मत बताइये कि आपके परिजन इस समय कहां पर है। यदि यह सावधानियां रख लीं तो आप साइबर अरेस्ट से बच जाएंगे। पुलिस और प्रशासन के भरोसे आख मूंद कर मत रहिये क्योंकि यदि सख्त कानून और तीखी नजर होती तो रोज-रोज ऐसे मामले सामने नहीं आते। बकवास वाट्सएप् शेयर करने की बजाय यह खबर शेयर करें, खुद भी जागरूक रहें व दूसरों को भी रखें। अब बताते हैं कि जयपुर में क्या घटना हुई।

जयपुर में महिला बैंक मैनेजर को वीडियो कॉल पर धमकाकर 17 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने खुद को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण का मैनेजर व मुंबई पुलिस का अधिकारी बताया। स्काइप एप फोन में डाउनलोड करवाया। उसके माध्यम से पांच घंटे तक वीडियो कॉल पर ऑनलाइन रहे व महिला को बंधक बना दिया जिसको आजकल डिजिटल अरेस्ट कहा जाता है। याने ऐसी गिरफ्तारी जिसमें सामने वाले धमका कर ऐसी मानसिक अवस्था में ला देते हैं जिसमें आप उनकी बात मानने पर बाध्य हो जाते हैं। बैंक मैनेजर को इन बदमाशों ने एफडी तोड़कर रुपए बदमाशों के खाते में ट्रांसफर करने पर मजबूर कर दिया। घर वाले दरवाजा खटखटा कर पूछने लगे कि इतनी देर ऑनलाइन क्यों हो तो महिला ने बताया कि सीबीआई की पूछताछ चल रही है। अब पीड़िता की रिपोर्ट पर जयपुर कमिश्नरेट में साइबर थाना पुलिस ने मामले को दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला 5 घंटे तक ठगों के सामने ऑनलाइन बैठी रही। जो बदमाशों ने कहा वह करती रही। घटना 20 जून की बताई जा रही है। महिला बैंक मैनेजरघर से बैंक के लिए रवाना होने वाली थी। सुबह 10.44 पर मोबाइल पर कॉल आया। बताया कि भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण का मैनेजर राजीव बोल रहा हूं। आपके आधार कार्ड से महाराष्ट्र में कोई मोबाइल सिम जारी हुई है। इससे अवैध गतिविधियां की जा रही हैं। बैंक मैनेजर ने मना कर दिया तो साइबर ठग राजीव ने कॉल ट्रांसफर करने का नाटक किया। मुंबई पुलिस से बोल रहा हूं, आवज आई। नाम विनय खन्ना। विनय ने दूसरे नम्बर से कॉल कर कहा- यह मुंबई पुलिस है। आपको स्काइप साफ्टवेयर मोबाइल पर इंस्टॉल करना होगा। महिला ने एप डाउनलोड कर बात करनी शुरू दी। यहीं से वह ट्रेप में फंस गई। सामने से आवाज आई- शिकायत मिली है। जो नम्बर यहांएक्टिव है, वह आपके आधार कार्ड से लिया गया है। खाते की जानकारी मांगी। महिला ने घबराते हुए जानकारी दे दी। ठग ने धमकाया और कहा कि आप को अभी एक ट्रांजेक्शन करना होगा। इसके बाद महिला से 20 लाख रुपए की डिमांड की। महिला ने हाथों हाथ ऑनलाइन ही एफडी तोड़ी और 17 लाख रुपए बदमाशों के खाते में डाल दिए। इसके बाद भी ऑनलाइन ही रहें शाम 4.10 बजे बदमाशों ने और 3 लाख रुपए मांगे। बोले-यह पैसा नहीं दिया तो 17 लाख रुपए डूब जाएंगे। इस पर महिला ने एप को बंद कर परिवार को जानकारी दी। बदमाश कुल 5 घंटे ऐसे धमकाते रहें।

भाजपा सांसद बोले- भारत माता से प्रेम करने वाला हिन्दू:रावत बोले- सोशल मीडिया पर 'आदिवासी हिन्दू नहीं' पोस्ट करने वाले अंग्रेजों जैसे, देश को भ्रमित कर रहे

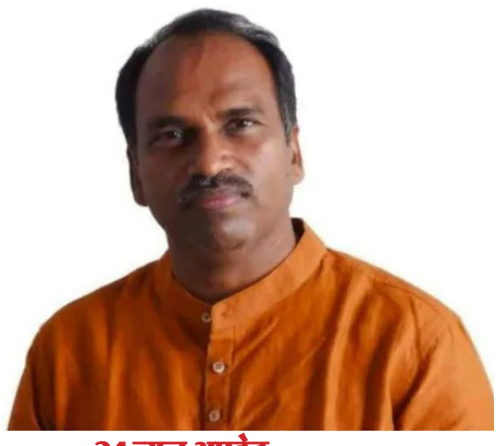

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. सोशल मीडिया पर चल रहे 'आदिवासी हिन्दू नहीं है' के ट्रेंड पर उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत ने उन लोगों की तुलना अंग्रेजों से की है। रावत ने कहा- अंग्रेज यहां से चले गए, अपने कुछ तत्व यहां छोड़ गए हैं। अंग्रेज डिवाइड एंड रूल की बात करते थे। उसी रणनीति पर आगे बढ़ते थे। उन्होंने देश में राज भी किया, भ्रमित भी किया सब लोगों को। उस विचार को कुछ लोग अभी भी फैला रहे हैं।

आवश्यक टिप्पणी की आवश्यकता कहां है: रावत

सोशल मीडिया पर चल रहे हैशटैग को लेकर रावत ने मीडिया के सवालों के जवाब दिए। वीडियो में उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत ने कहा- ये वही तत्व हैं। उन लोगों के कोई न कोई बिखरे तत्व हैं। जो यहां फालतू का विचार करते हैं। हमारा जो अपना स्वरूप है, अस्मिता है, वह राष्ट्र की है। सनातन धर्म, संस्कृति, परम्परा हमारे रगों में, खून में है।

आदिवासी हिन्दू नहीं तो क्या है पर रावत ने कहा कि हिन्दू वह है जो भारत माता से प्रेम करता है, पूजता है। इसमें अनावश्यक टीका-टिप्पणी करने की क्या जरूरत है। यह तो अनुभूतियां है, जो बरसों से यहां रह रहे हैं। यहां के निवासी हैं, वह सब कुछ हैं। ऐसा तो सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है। मुरली मनोहर जी के विचारों को देखना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है। इस पर अनावश्यक टीका-टिप्पणी की कहां आवश्यकता है। यदि ऐसा कोई कर रहा है तो राजनीति कर रहा है।

बोले- सोशल मीडिया पर भी भ्रम फैलाते हैं

रावत ने कहा- कुछ अतिवादी तत्व हैं, वे ऐसा करते हैं, भड़काते हैं। सोशल मीडिया में भी यही चलता रहे। इसी से जुड़े कुछ लोग हो सकते हैं।जो हमारी आस्था, परंपरा है। वह सभी की अपनी है। सभी उस पर बने रहें। यदि औरों को कुछ करना है तो वे उस पर बने रहें लेकिन जो मूल संस्कृति में है, उनके खिलाफ इस तरह उकसाने की बात नहीं करनी चाहिए। वे बोले मुझे यह विशुद्ध राजनीति लगती है। उनका काम ही बकवास करना है।

रावत ने कहा कि जिस तरह भारत में सरकार काम कर रही है। सबका साथ,सबका विकास की बात कर रही है। नरेंद्र मोदी की सरकार तीसरी बार आई है। जिस तरीके से आगे बढ़ रहे हैं और कल्याण के काम कर रहे हैं, जनजाति क्षेत्र में यह काम चल रहे हैं। यह उन तत्वों को पच नहीं रहा हैं।

रक्तदान शिविर में 181 यूनिट रक्त हुआ एकत्रए जरूरत मरीजों को मिलेगा लाभ

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर,24 जून। फतेह स्कूल के सामने स्थित निरंजनी अखाड़ा श्री हनुमान मंदिर में परम पूज्य ब्रह्मलीन महंत श्री श्री 108 श्री सुरेश गिरी जी महाराज की तृतीय पुण्यतिथि स्मरण के अवसर पर श्री बालाजी सेवा समिति एवं पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस षिविर रक्तदाताओं ने 181 यूनिट रक्तदान किया। शिविर के मुख्य अतिथि विश्व हिंदू परिषद महानगर मंत्री अशोक प्रजापत,अध्यक्षता बजरंग दल जिला संयोजक उदयपुर महानगर ललित लोहार एवं विशिष्ट अतिथि श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना महिला विंग जिला अध्यक्ष कृष्णा राठौर थी। शिविर का शुभारंभ वर्तमान महंत श्री अमर गिरी जी महाराज जी ने रक्तदान कर किया। शिविर संयोजक राजेश तिवारी ने बताया कि इस अवसर पर रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन के लिए रक्तदाता युवा वाहिनी के रोहित जोशी,कपिल दया, रोवर लीटर सुरेश प्रजापत,राज्य सरकार द्वारा रक्तदान सेवा में सम्मानित सहयोग सेवार्थ फाउंडेशन संस्थापक गोपाल विजयवर्गीय,बालाजी सेवा समिति के महेंद्र नैनावा, शंकर सनाढ्य,रामकुमार प्रजापत,सुनील पूर्बिया, भूपेंद्र भाटी, सुनील कटारा, राजश्री वर्मा,आरसीए के पीयूष चैधरी एवं उनकी टीम आदि का सहयोग रहा। शिविर में पीएमसीएच ब्लड बैंक टीम के डॉ.मुकेश मलिक, अनिल सहदेव जुल्फिकार अली, प्रियंवदा सिंह,लवीना अग्रवाल एवं राजेंद्र सिंह में अपनी सेवाएं दी।

मदद को उठे हाथ - कल्याण संघ ने मृतक ड्राइवर के परिवार को दी एक लाख रुपए की सहायता राशि

24 न्यूज अपडेट

आल ड्राइवर कल्याण संघ सलूंबर ने सराड़ा के अंबाला निवासी भेरूलाल पुत्र भगवान लाल मीणा के घर पहुंच कर आर्थिक सहायता राशि प्रदान की। जानकारी के अनुसार भेरूलाल की गत 8 जून को दिल्ली में दुर्घटना में मौत हो गई। परिवार की माली हालत ठीक नहीं होने से संघ के पदाधिकारी और सदस्यों ने मृतक के घर पहुंच कर आर्थिक सहायता प्रदान की। संघ के सलूंबर जिला अध्यक्ष चौकाराम मीणा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने परिवार को एक लाख आठ सौ तिरासी रुपए भेंट किए। उदयपुर जिलाध्यक्ष सोहन लाल मीणा ने बताया कि संघ की ओर से पंद्रह हजार रुपया केस और बाकी राशि का चेक प्रदान किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष डूंगरपुर गणेश कटारा, सलूंबर के विधानसभा प्रत्याशी जितेश कटारा, सलूंबर जिला उपाध्यक्ष रूपलाल मीणा, डूंगरपुर जिला उपाध्यक्ष अमृत लाल कटारा, उदयपुर जिला उपाध्यक्ष राजू मीणा, बंशीलाल बारापाल, पराई ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम सिंह, सराड़ा ब्लॉक अध्यक्ष रमेश कटारा, सेमारी ब्लॉक अध्यक्ष किशोर कुमार हरमोर, सराड़ा ब्लॉक उपाध्यक्ष सुरेश कुमार हरमोर, आदि मौजूद रहे।

सहायक आचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2023, 7 विषयों की मॉडल उत्तर कुंजी जारी

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2023 के 7 विषय पॉलिटिकल साइंस, हिस्ट्री, ज्योग्राफी, ड्राइंग एंड पेंटिंग, म्यूजिक (वॉकल), फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर तथा साइकोलॉजी विषय की मॉडल उत्तरकुँजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। यदि किसी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 26 से 28 जून 2024 को रात्रि 12:00 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है। आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक श्री आशुतोष गुप्ता ने बताया कि आपत्तियाँ आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्रों के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करनी होंगी। इन परीक्षाओं के मॉडल प्रश्न-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आपत्ति प्रामाणिक (स्टैंडर्ड, ऑथेंटिक) पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाइन ही प्रविष्ट करें । वांछित प्रमाण संलग्न नहीं होने की स्थिति में आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। उक्त परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त यदि कोई अन्य व्यक्ति आपत्ति दर्ज करवाते हैं, तो उन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आपत्ति दर्ज कराने का शुल्क व प्रक्रिया— आयोग द्वारा प्रत्येक प्रश्न हेतु आपत्ति शुल्क रु 100/- (सेवा शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर उक्त परीक्षा के लिए उपलब्ध लिंक (क्वेश्चन आब्जेक्शन) पर क्लिक कर प्रश्नों पर आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं। प्रति प्रश्न आपत्ति शुल्क रू 100/- (सेवा शुल्क अतिरिक्त) के हिसाब से कुल आपत्ति शुल्क ई-मित्र कियोस्क अथवा पोर्टल पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे से भुगतान कर आपत्तियों को स्थाई रूप से दर्ज कराया जा सकेगा। शुल्क के अभाव में आपत्तियां स्वीकार नहीं की जावेंगी। आयोग द्वारा शुल्क वापस लौटाने का प्रावधान नहीं है। आपत्तियां केवल ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी। ऑनलाइन आपत्तियों का लिंक 26 से 28 जून 2024 को रात्रि 12:00 बजे तक ही उपलब्ध रहेगा। निर्धारित समयावधि के बाद लिंक निष्क्रिय हो जाएगा। अन्य किसी माध्यम से भेजी गई आपत्तियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। आपत्तियां केवल एक बार ही ली जाएंगी। इस संबंध में किसी प्रकार की तकनीकी कठिनाई होने पर अभ्यर्थी recruitmenthelp-desk@rajasthan.gov.in पर ई-मेल से अथवा फोन नम्बर 9352323625 व 7340557555 पर संपर्क कर सकते हैं।

पिम्स हॉस्पिटल उमड़ा में नवजात की गंभीर बीमारी की सफल सर्जरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 24 जून। पैसिफिक इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) उमरड़ा में गम्भीर बीमरी से पीड़ित एक नवजात की सफलता पूर्वक सर्जरी कर उसे नया जीवन प्रदान किया गया। नवजात बच्चे के खाने की नली में छेद होने की वजह से उसे श्वांस लेने में भी भारी दिक्कत हो रही थी। पिम्स हॉस्पिटल उमारड़ा के पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. अतुल मिश्रा ने बताया कि सराड़ा निवासी परिजन अन्य अस्पताल से नवजात को लेकर पिम्स में पहुंचे थे। उस दौरान नवजात की नाजुक हालत हो देखते हुए तुरन्त उसकी सभी जाचें की गई और उसे वेंटीलेटर पर लिया गया। सीटी स्केन के बाद यह स्पष्ट हो गया कि बच्चे की खाने की नली में छेद है। जिसका असर बच्चे के दाएं फेफड़े पर आ रहा था। इस कारण फेफड़ा भी पूरी तरह पिचक गया था। सारी स्थितियां स्पष्ट होने के बाद बच्चे की जान बचाना चुनौतिपूर्ण था। बीमारी की गम्भीरता को देखते हुए बच्चे की छाती में नली डाली गई। लेकिन इससे भी कोई खास सफलता नहीं मिलने पर तमाम जोखिमों ओर चुनौतियों के बीच नवजात के ऑपरेशन की निर्णय लिया गया। छाती में किया गया ऑपरेशन सफल रहा और नवजात की जान बच गई। ऑपरेशन के बाद नवजात को गहन चिकित्सा इकाई में डॉक्टरों की कड़ी निगरानी व वेंटीलेटर रखने के बाद बच्चे की हालत में लगातार सुधार हुआ। आज की तारीख में नवजात पूर्णतः स्वस्थ है एवं आराम से दुग्ध पान कर रहा है। संघ चेयरमैन आशीष अग्रवाल ने बताया कि लगभग एक महीने तक भर्ती रहे नवजात का पूरा इलाज चिरंजीवी भामाशाह योजना के तहत निःशुल्क हुआ है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि ऐसी परिस्थितियां नवजात बच्चों में समय से पूर्व जन्म लेने से पैदा होती है। जन्म के समय आक्सीजन की कमी, गंभीर हालत के दौरान दिए गए सीपीआर एवं खाने की नली डालने जैसे कई कारणों से हो सकती है। लेकिन समय पर और सही इलाज कराने से नवजात को ऐसी गम्भीर बीमारी से मुक्ति दिलाकर उसकी जान बचाई जा सकती है। इस पूरी प्रक्रिया में डॉ. मिश्रा नवजात शिशु विशेषज्ञ, पीडियाट्रिक विभाग के डॉ. अंकित पांचाल के अलावा डॉ. विवेक पाराशर, डॉ. राहुल खत्री, निश्चेतना विभाग की डॉ. कमलेश, डॉ. पीनू, डॉ. हार्दिका, डॉ. ज्योती व स्टाफ रेश्मा, दीपक, अमित, अशोक व अरुण ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

24 न्यूज अपडेट

देश-दुनिया राज्यों एवं स्थानीय खबरें को देखने के लिए हिन्दी समाचार पत्र एवं न्यूज़ चैनल

ताजा खबरें देखने के लिए

हमारे यूट्यूब चैनल को सबस्क्राइब करें

YouTube

24 NEWS UPDATE

हमारे फेसबुक पेज को फॉलो करें

लिंक पर क्लिक करें और हमारे चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करें

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।